

# HRA AN UNIVERSE UNIVE

# प्राधिकार से प्रकासित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 35]

नई दिल्ली, शनिवार, सबस्यर 6, 1982/कार्तिक 15, 1904

No. 35]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 6, 1982/KARTIKA 15, 1904

मूत्र भाग में भिस्स पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में उसा जा सक्के Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—इण्ड 3—उप-इण्ड (iii) PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़ कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than Union Territories)

# भारत निर्वाचन आयोग

### भावेश

नहीदिहर्ले। ७३४ रूप्रस् १९४२

कार आरु 1 37.— निर्वाचन आयोग हा समाधान हो गया है कि निर्धिकी सारणी के स्तम्भ (2) में प्रया चि निर्विच्ट विरु सभा के निर्विच्त के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्विच्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम (4) में उसके सामने विनिर्विच्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी, लोक प्रनिर्विच्च प्रधानयम, 1951 तथा न्यूधीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रयेक्षित समय के भीतर प्रीर रीति में उपन सारणी के स्तम्भ (5) में अचा उपविचित्त रूप में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दिख्यल करने में अस्तम्भ रहा है;

कौर उक्त प्रक्यियों ने सम्यक् सूत्रना विए जाने पर भी उक्त प्रम कलमा के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पट्टोकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा विए गए अम्मानेदनों पर, याद कोई हो, विचार करने के पण्चात निर्माचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त प्रसक्तना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

भ्रतः, भ्रमः, निर्माचन भ्रायोग उक्त भ्राधिनयम की धारा 10 क के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को इंसद के किसी भी दिन के या किसी राज्य की विधान सभा ग्रथमा विक्षान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के निए इस आदेखें श्री नारीच से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरिहित विधिन करती है।

	<b>मार्</b> गा						
	निर्वाचनों का विवरण	ममानिर्धाचन क्षेत्रकी क्रम सं० नथा नाम	निर्वाचन लडने वाले सभ्ययीं का नाम और पना	निर <b>हे</b> ला का का रव			
1	2	3	4	5			
į	सिक्किम विद्यान सभा के लिए साझा रण । नशीचन 1979	2.5 कवीं(टगंबा	श्री सोनम बोरजी <b>पु</b> क्तिमा हाऊस, गंगटोक (सिक्किम)	मन्दर तथा रीक्ष			
2वर्हीवर्ह		-बही-	निमा काजी, कोडोंम, सिक्किम ।	लेखा दा <b>खिय</b> नहीं किया ।			

[स॰ 7*6|सिकि*कम वि॰ स॰ /7**७**]

मायो

सतीण जन्त्र जैन अवर मध्यक भारत निर्वाचन काशील

### ELECTION COMMISSION OF INDIA

### ORDER

New Delhi, the 7th October, 1982

O. N. 137. -Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the Sikkim Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner, as shown in column(5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, Whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation—for the said—failure even after due—notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reas on or justification for the said failure;

Now, Therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

Sl. No.	Particulars of elections	Sl. No. and Name of the Assembly Constituency	Name of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
	neral Election to Sikkim Legislati embly, 1979.	ve 25-Kahi Tingda A.C.	1. Shri Sonam Dorjee, Chooksing House, Gangtok (Sikkim)	Account not with in the time & in the manner.
2.	do	do	<ol><li>Shri Nima Kazi, Phodong (Sikkim)</li></ol>	Account not lodged.

[No. 76/SKM-LA/79)]
By Order,
S.C. JAIN, Under Secy.
Election Commission of India

# अधिस्चना

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1982

स्ना० अ० 138.— लोक प्रतिनिधितन प्रिविनयम 1950 (1950 का 43) की घारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारत निर्वाचन आयोग, दिल्लों संघ राज्य क्षेत्र प्रणासन के परामणों से श्री एस० सी० वाजपेयी, विकास प्रायुक्त एवं उशायक्त, दिल्ली को उनके कार्य भार संभाजने की तारीख से प्रगत प्रदिशों तक विल्ली संघ राज्यक्षेत्र के मृष्य निर्वाचन प्रधिकारों के रूप में नामनिर्देशित करना है।

[सं० 154/विस्ली/82] ग्रादेश से, के० गणेशन, सम्बद्ध भारत निवीचन ग्रायीम

# NOTIFICATION

New Delhi, the 14th October, 1982

O.N. 138.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Administration of Union Territory of Delhi hereby nominates Shri S. C. Vaipeyi, Development Commissioner and Deputy Commissioner of Delhi as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Delhi with effect from the date he takes over charge and until further orders.

[No. 154/DL/82]
By Order,
K. GANESAN, Secy.
Election Commissioner of India